

DPN 5938

Title : सर्वानन्द राजाया बखर्वा SARVĀNANDA RĀJĀYĀ BĀKHAṆ

Run. No. 6629

Cat. No. 35

Micro. No.

Subject बर्वा / Narrative

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. / New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 23 x 7

Folios 48 Lines (in a page) 5
(missing 41-46, 52)

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

१. ॐ नमः भगवन्ते गुण सागराय ॥ ॥ गुणानं सागरं समुद्रं गुणैर्वा [का] ड. म. , धर्म भगवान्मया तं
नमस्कृतं ॥ १ ॥
विहति कनका दे, शास्त्र सिद्धि मुनीन्द्रो अशीर्षित सुरैर्धै सेव्य मानो जनो धै

कुवलय दल मेत्रो रक्ष त्रियुक्त नृपतः स्म भवन्ति एत सर्वलोको हितार्थः ॥
हर्ष च श्री भगवान् शाक्य मुनि विज्याङ्ग थासु , सुवर्णिमय गुडो , उषी , अनेक ,
देव लोक , देव लोक आदिन आर्ज (कार्य) संध जतपनि सेन सिवा या काओ
(विज्याङ्ग थासिंह शाक्य सिंह गुडो आ धरु म

३५

वारवं

प्रणीन्दरत्न वज्राचार्य

0 cims

5

10

15

20

ॐ नमः शिवाय गुरुभ्यो नमः ॥ ० ॥ गुणनं सागलसमुद्रहयाडादकथक
 रगयान्नयानं नमस्कार ॥ १ ॥ विद्वन्निजनकादींशकसिंहामनीडाइयवि
 मिगसुवसंधेः शयमानाजनाधेः कवलयदलनशानकनियुक्तयानः ॥ २ ॥
 वथिनसुसवैलाकोदिमार्थः ॥ ० ॥ हवथधीरुगवानंशकमनिविका
 दाथासुसवैलाकोदिमार्थः ॥ ३ ॥ इयविभूतगदवलाकदेवीनंलाकमादिनः

आयेऽंयजनयनिभनसिवायाकाडाविकाकथथिक्तशकसिंहामनीडाइय
 कीरुवंधमथालरुयगथिंयभालसाकववयधयाडवसियारुववानुमि
 खासमसुवदनसरुकायादनयादसमरुवथिनसुसवलोकादिमार्थः ॥ ४ ॥
 यमसुहिनयायनिमिनिनरुया ॥ ५ ॥ निरुयथादहीसादेऽंशः ॥ ६ ॥
 नमसुभेऽंकादिदेऽंकारगेऽंसुवैलातययायहीवाधिसत्वसरुमेथभूत

के ४ भावक गले ४ वक्र दाह्य संया ४ लाक या ग समाक ले ॥ ० ॥ धाय रुचं
 धरु गवान रुयु डा गथिं ग धाव सा ख खया रि रुय निभन दूय का डा वि का
 क ४ रुचं लया रुयु गथिं ग धाव सा भवन लायु गु वी सि डा सर्व स्तनय २
 गाय ले सम रुग्ण न वा क रुचं वा धि स नी भावक गन यु का वि रु नू म रु ध
 वना गाय न ० रु द व ला क आ ये सं घ ४ ध नि आ दि न ला क या व य नि स रा

रुया डा था द ॥ ३ ॥ वा धि स त्व रु म रु रु मे जी या द मि मं ड्रिय ४ रु ग वं न मा
 न म्भ आ वा व रु ड ग नां धि मि ॥ ० ॥ ध व र स स रा या मू र्णा ना य क मे वि धा
 धि स त्व यु मू ख न स रा ला क न श्री ४ भा व रु नि या क ० ना य या नं ॥ ४ ॥ रु
 ग व न ध म्भ रु का ली रु रु वि का म्भ रु वि शा सा रा रु वा व रु वं रु म्भ व द त्व य
 द म्भ व र ॥ ० ॥ रा रु ग व न ध म्भ रु का या रु रु ना ख क स वि का य मा व दि

15
10
कोष्ठाभा नृपावतं (अ) संवदत्तं यवमभ्यविष्टवया लधर्मया सागरुडा महा
(अ) वृत्तं अंगरुडा थथिक्तयवमभ्यवृत्तलयाव ॥ अ ॥ अंगवर्गं मूडान
ह मभेजीय ४ भावका रुम निष्कृत्तं यमनारुत्वा सर्वे लुग्या न वेदने ॥ ० ॥ ३
थमि सराला कया खट्टाडा श्रीभाक्त सिंह रुगवान धमया खट्टु न मन
राजयोडा यान ॥ १ ॥ निस्काश सर्वे लु ४ भेजी सुमहा मति ॥ समा

७
वेलीन नायां नित्य धदां यवला कयं ॥ ० ॥ अथ वलस सुकावा कयनि गुक्त
कया खट्टाडा श्रीभाक्त सिंह रुगवान मे नित्य आदिन सराला कया ख्या
वस्त्याडा समाधिया आसन ददाडा आग्या दय कवी ॥ १ ॥ अथ श्रीरुग
वाना रु ॥ उद्धयव समाधिना ॥ दृष्ट्वा यवी भन दानेन रुवमकु की ॥ ० ॥
रु मे नित्य सराला कयनि दान हन या रुव ह्ययनि सन ददा ॥ ६ ॥ १

वंमयाद्युगमकस्मिंसमयरुगवां वधूवयां महानगयो डत्यादिभा ३ मि
 निवर्षसह आयुवि युजायां लाकनायक १ यश्म रिह हनारिह भा वि
 यधिनाम नथागको ह नसंम्यक्तं वद्धा वाधिमधुयवागमी नायसंक्राम ४
 किस्म ॥ ० ॥ यद्ध यादिनसं ददा डानया कस्मिन्काय थगु कायं थगु
 वीधवसरुगवान वधूवनिधयावदिरीस महानगरस वियविनी

नथागत डत्यादिभा डनयमिरयाडाविकोक थ वियविनिधया नथा
 गनया वलस वयदा २ आयुप्रवर डडा हर्षयका लाकया नायक रुडा
 यवारिह धया दाना हननाक ३ वरुन धया घडनायार्थ ३ संभन्यक
 धया थथिव वद्ध वाधिमभा वधूवनिधया नगलन यिहाविकोमी
 ॥ २ ॥ सवियवि रुगवां डनवन विहावसंरा कारिनवान् ॥ थववस

15
 वधूवनिधयानगलनविजो दाडा जगवन काया बहिरी सथन काडा सरा
 दयकाडा विष्का क ॥ १० ॥ अनके आवक गले साई महावाधिसख गले
 ६ वनक नागा इति निरुस अ ४ मुद्रावा स कायिक बुझु बुड नावायनः १
 कामेश्वर कुमार कुवेरादि दव गले ४ यविष्ट नहि न्या न ॥ ० ॥ गथिष्ट
 १० सरावाल सा अनके आवक वाधिसख चयदा ना गथनि रुची मद्रावा स

७ काळीका दवयुक्त बुझा ४ बुड नृमेश्वर नावायन कामेश्वर कुमार
 वल आदिन दव गन यनि सनदय कोडा विष्का ॥ ११ ॥ गल आवक यमुख्य
 नद्वारु गवन कियि शिभन दवाय ४ रु गवन सर्वे लु प्रथं दी जदान लु यार्ण राः
 यमि ॥ ० ॥ धसंला वाक्या नायक सनदु स ४ क गन दु धयनि सन विषः
 यिनी गथा गरु याक यि नाय या रु रु गवन सर्वे लु प्रथं विज दान याय

सयकसूयागुक्रयागकसविशायमालधर्क॥ १२ ॥ श्रीरुगवानाह॥ वि
यमिनिगथागगनज्जालदकरि॥ १३ ॥ सुनदसुकवानदशुधलोका
दिनायवसंसारसमावायदानविजसूयागुर्क॥ ० ॥ सुनदसुकवानद
मिन्धसावधानयादाडाददोहवीधसंसारसदानधुधयायसूयागुक्र
नसुसारयादाडायायसिनकाडादानदशवीजसूयागुक्रक्रीयायमाल

॥ १४ ॥ अथखलुकविदकमनूकस्यदुष्टेजलामयलोअदनायदिवभा
किंरुकवनेकविजन्मावरुवै॥ ० ॥ गथखलुसादुष्टेजलामसमनूथ
इडाथक्रनदानधुधमयाकधनियायायनकिंरुकधयागडाधदव
नसफदिमधयामाकइयाजलकाल॥ १५ ॥ नगुयसानदिमिदुष्टे
दकिंअयमिदिदिथिकमयुद्धनार्थ॥ यमनसिमावेमहाविहारा निजम

यात्रियरुयारियूके॥०॥ थवस्यसनसिधधया वहि विमवाह दियंकल
 गथागत थडा आसनदडाडा सर्वदक्षित स्वयाडा यत्नसिधधया वहि विन शि
 लाविकान रु चैदियंकल गथागतया मडन किं सुक वन कृति श्वरा जात ॥ १०॥ १
 यथासन गथागत कूट कुरुवमनि नानादमनाज व्यथा सर्वह लानार्थ श्वरफियुता
 वियकागनी सर्वसनाहवये॥०॥ यथा गथ गथा श्वथ श्ववनज कुरुधुगडा

धकिं सुक वन सनाना रिठसिमादडा श्वसिमासुखान सिमया वाग्व रुचै समरु
 यासुथन शी दियंकल गथागतन कंडयकासुयान श्ववलस किं सुक वन सवाह
 वनवासियनि सनाहवखरुव ॥ १०॥ वृकोति यम्यानि मयना दियूके ४ क दानि श्व
 यानि समुद्रमक्ति १ रु लेवन केयशूकानि युगरका रुतसादिधुनी १ वुरु कना
 णी ४ सुयिचिगवन सनाहवये वनवातानी ॥०॥ रुचैयम्यानि धया वयखान आ

15
 10
 5
 0
 दिन नाना खान सिमा इरु नंग थिंगा रिं धार सा कु अति धया दारु वस्तान आदि
 नसिमा दारु संरु करु डायु न क धया अस्वर म्वा य रु सि ही रु ना ध्वनि वन वासि
 ५ यनि मिन रु का या दा धान ध्वन व स व न वा सि य नि म हा न स ना या डा धान ॥ १८ ॥ ६
 ज ना ग व था दि नि द व ना ख्या न ४ य यु का सा रु सु म मू द रु व । न स्यां स न स्या दि
 वि स म्वा का र्थे ४ य म्वा त्य ना र्थे ४ कू मू दा दि यु क्ते ४ ॥ • ॥ ध्वन व स व न द व ना य नि

5
 0
 सन डाल छि वा द धा न वा य या स व द न छ कि वि णी ड रु य नि रु व ध्व य ल्प वि स नाना
 य ले ड रु व व डा खान रु त्य नि रु डा ॥ १९ ॥ स क ट ध्व न स वा रु ध्व सु म ड म रि ४ रु ध्व
 यु क्ते ४ ॥ • ॥ ध्व य ल्प वि स धा द मा नू य व रु म व रु डा डा धान ४ ॥ २० ॥ व न व ना
 य कि ग ल्प य ना सु क व सा वि स य व यु का ४ व र्नि रु ध्व नि व ना नि रु ध्वि त्व ता
 दि रु क वि वि ले ध श व ॥ • ॥ ध्व न स व म न या धा ग व रु रु स वा म्म य ग व म्म

ॐ स्वाध्यायनिष्ठादिनयं विगनयति थडथडास्वजनदायाडायाव्धयवसंजलव
कसिञ्जुदिननातासिमाडत्यनियुज ॥ २१ ॥ चवीनिहखसकजादिमीना ४ सु
वि कुमारज्जज्जमवले यजस्यरी (सम. विमयेरावर्जनादि (भावाव वरुव
नस्मा ४॥ ० ॥ अध्वनसवाढयूवदीसवसजयथाग्वसुजासगक्रुवडा शुचिका
यजध्वयनि. निष्ठा विशकलाडानमिनाडायाव ॥ २२ ॥ नस्मिंनवसजग

कथं दृश्यते यत्तु वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ १ ॥ यथा धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २ ॥
 यथा धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ३ ॥ यथा धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ४ ॥
 यथा धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ५ ॥ यथा धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ६ ॥
 यथा धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ७ ॥ यथा धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ८ ॥
 यथा धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ९ ॥ यथा धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १० ॥

५५ यादासिकरुयाडाडतकाबा थरुनसिदातवियारु लन सनयाडरुया
 डासुखयदगायमात्ररुनैकस्मात्तुमिन्धर्व। धय, विधि, विद्यावाडा ००
 ग्वलरुयाडाडतकायमात्रधर्क, दिव्यकन मथागतन थथं शासिकवि ११
 र्व ॥ २५ ॥ नैहृष्टां यथवानलानिददसि यूर्यमानवागुरुय ॥ ० ॥ दिव्य
 कन तथागतया शास्त्रसिलसगयाडा ग्वानाकनवानेयानि सकनसन

हाजालयाडासुकनवानर, विद्यायाडाडर्व ॥ २६ ॥ नमनयकुम्यकयूद्धावा
 नवावभाकर्ययष्टभावातनासर्वे सनगच्चमिगुरुन ॥ ० ॥ थथं वानन
 यनि तथागतया ग्वानग्वयाडाडर ॥ २७ ॥ नमनयटीनियाननासर्वे जी
 रुकयमहाशक्तयामदकिनूजामोर्नविन (नक्तिनिकुडक ॥ ० ॥ थ
 नवीवानन यकाभाकसुकन जीनकयसुकुटिडान गथ धाल साडड

खडा लमदया डावाढ धनितिमिगितडान ह्मना कुनवानन च ह्मका मडढ
 वा २७ वा मग ४ गगवां नाह्म वा मी दृष्टा कथय श्वानवा जागच्छ २१ ० वाध
 नवानन कूटिडाढ खडाडा दीर्घकन मथगगन ग्मना कुनवानन जया गजा १२
 ग्मवीन ह्मना ना कुनवानन थनवाथा वाथा धर्क जा ग्मविर्ज २२ वाह्म
 नाकवन यर्ग मिग्दा ह्मना कवा वानन माह्वेव माह्म ० वाध थं दीर्घक न

[illegible]

15
 10
 5
 0
 सिनसनयाडा खरवा मलक काडा खरवा ल ॥ ३१ ॥ नदवनीत्वा हाना
 जमडनी धुं थं डिठु क ये म ट्टे द्वा ये म नि सहाया द हीन मा कुन सचेमा
 धावरु वरु ॥ न ग्गाला क व मा रु ॥ ० ॥ ध थं हाना कुलवान वन डिठु क १३
 यम ग्ग व ल्ख य रु क नी वान व य नि सु कु यी थ मी मनू य रु व थ थं मनू य
 रु या डा हाना कुलवान वन आ हाना वि वी ॥ ३२ ॥ महा सक व द्ध य दा नान

5
 0
 सावा द रु व मानू य म नी व सो खं आ ग द्ध मा ग रु सु धी व या शा दी यी करी य न
 म ४ या म य ध ॥ ० ॥ शा य जा ला क व द्ध य दा ना थ क व द्ध दि यी क व या न हान
 या दान उ डि डि सु कु वं मनू य रु व रु ची मनू य म नी रु य म हा रु ख रु डा रु
 या यो गि डि सु व की धा या डा आ डा गि डि सु कु यी रु व रु रु न डा दा डा दी यी
 क व रु थ ग न या पा इ का द हीन या न डानी ॥ ३३ ॥ न सचे मनू य रु मा आ

गता ४१ मक ४ लना कयादि दीर्घ करं विप्रदक्षिणी कय संसाका विमवात
 ७ लना कयवान थारु गव क २ शा म ॥ ० ॥ थन विष्म ना क लवान लय मे
 १५ खन स कय वात न य नि स न विप्रदक्षिना या दा डी संसा क्क हा थान थ
 वेल स लना कयवान न न क्क विप्रका स या क ॥ २४ ॥ ली क ना ली
 च व थु क म वि प्र द दं या न दा ना ली भव ना थं ली सखा दा ना य व म गु

मधी ली मया त मय न वेला भा क विप्रदीयात ल मय न विष्म भी न वा विम य द
 ल ना ग्य शेष क दा ना क व ल रु न संसा याल लु व ल ॥ ० ॥ रु दी दी क न
 थ ग न लं छ ल थाल रु य ग र्थि म ध ल सा क म न संसा य व थु ड ड रु न
 व य या या स या नं दा ना रु चं अ ना थ या ना थ रु ड रु चं रु ख यां दा ना रु ड
 रु चं रु ल ल त या ड द वि रु ड रु चं वे ना गी रु ड रु चं संसा य दी प रु ड

ॐ शं क्लानाकर का माथि नगर सार्थ वाह य प्रविश्या सि यून शायो वृषा ४ दीया
 वर्गी म हान गयो यो वं ऊं नारु विश्या नि ॥ ० ॥ ॥ ॥ अनाकर वान न का माथि
 नगर सार्थ वाह या य प्रु रु य मा न रु न दिय व नि क्षया म हान गल या य
 जाला क या ना जा रु या डी ड तम का य मा व ध क शी दी र्य क न न जाला वि री ॥
 ॥ ४१ ॥ ॐ ए कारु ग व नी ग द ले ६ सी ॥ ० ॥ ॥ ध नि जू ग्या वि य धून का डा ॥

१०

धन नी जी ग आ न रु या डा ख ग वि को री ॥ ४२ ॥ न न ४ व रु व रु क क ल्य शी दी
 र्य क न ४ स मा धि सि भा व रु व न न का मा थि न ग र क्लाना क था ड त म अ का र
 ॥ ० ॥ ॥ ध न वि दि र्य क ल ग थ ग न न स्व र्गे रु डान स वा डा डा ख य वू क ल य
 स मा धि आ न या डा डा वि झा न थ व न स का मा थि क्ष या न ग र स ग्या ना
 क ल क्ष या ड त म अ का ल डी त म का ल ॥ ४३ ॥ न रु अ शी दी र्य क ल या ठ चि

15
0
10
पुनःमादाय अवधमुकाः १२ स्यां कामाथिनगजमाख्या मुयिमुयागुद
हा निग ० ॥ थववसं यो दी र्थ क रथमनसमाया आसनददाडा अवन
मुलयकया अस्ति कू विडालवस्तु क सो य म यिमुयागु मृगं जाकं ११
थनिधलयाडो स्वगतकाहा विष्ठा कर्त्तु रभा थवलसका माथि अयान
गलस वावकु मान साथ वाहा या नूखा को सथा दाडा यिमुयागु खान ॥

॥ ५५ ॥ नदा दो वाव को दारथि गो सेकन गिनायि सुं मा रं ठे य वि यन क
या ययित्वा ४ न सो यां सु सु न ॥ ० ॥ थववस निम्न वावकु मान नूखा दाडा
खडा था दाडा थान हु र्थ थवाल कन दि र्थ कल न थ गन यान् विष्ठा वि यया
न मा म दू यथा थ स डा दाडा जं न हा दाडा न सु क्क वाल क यां मू धया धू व स
कि गा डा थान थ क्क न धूल स्या छल वि र्थ ॥ ५६ ॥ न मा दू धाय न मा ध मा

५ धववस सावतुरुनर

अ ७ यनम४ संद्याय शिखवनवाधवालकनदानवियाधवसूधयाधमयासं
चयोधनिःसूमनायादाओ शिख्यादुर्गं ॥ ५४ ॥ रुगवांसहृषे जागीधनम
पुवीनसाधे२कल्यानकुनित्यं ॥ ० ॥ धववससुगवानरसनायाडावाल १७
कयानसाधेकालविनरुतकल्यानइयमालधर्क ॥ ५५ ॥ दानेवकुविध
याकदविडस्यनिमवयिरसुयाणिवसूकशुचविमसंदानसद्वय ॥ ० ॥

अ ७ धनियांसधयाधूलदानवियासलनयनादलवायमालहृन्वीदुधकालसा
वक्रवेणमुदहृतिधनिसहृणानिहयाडाकलकायमालधर्कनीदिय
कयनधमगननसाधवाहाधयाक्रवावकयानगाग्धविनधर्कनीसा
धसिहनमेनिजादिनसंशालाकयानकनी ॥ ५६ ॥ ॥ ॥ लुक्काइकद
विइसीधधानेगदियकयनवालकयानगाग्धवियधूलकुनूथन

15
 10
 0
 5
 10
 15
 20
 25
 30
 35
 40
 45
 50
 55
 60
 65
 70
 75
 80
 85
 90
 95
 100
 105
 110
 115
 120
 125
 130
 135
 140
 145
 150
 155
 160
 165
 170
 175
 180
 185
 190
 195
 200
 205
 210
 215
 220
 225
 230
 235
 240
 245
 250
 255
 260
 265
 270
 275
 280
 285
 290
 295
 300
 305
 310
 315
 320
 325
 330
 335
 340
 345
 350
 355
 360
 365
 370
 375
 380
 385
 390
 395
 400
 405
 410
 415
 420
 425
 430
 435
 440
 445
 450
 455
 460
 465
 470
 475
 480
 485
 490
 495
 500
 505
 510
 515
 520
 525
 530
 535
 540
 545
 550
 555
 560
 565
 570
 575
 580
 585
 590
 595
 600
 605
 610
 615
 620
 625
 630
 635
 640
 645
 650
 655
 660
 665
 670
 675
 680
 685
 690
 695
 700
 705
 710
 715
 720
 725
 730
 735
 740
 745
 750
 755
 760
 765
 770
 775
 780
 785
 790
 795
 800
 805
 810
 815
 820
 825
 830
 835
 840
 845
 850
 855
 860
 865
 870
 875
 880
 885
 890
 895
 900
 905
 910
 915
 920
 925
 930
 935
 940
 945
 950
 955
 960
 965
 970
 975
 980
 985
 990
 995
 1000
 1005
 1010
 1015
 1020
 1025
 1030
 1035
 1040
 1045
 1050
 1055
 1060
 1065
 1070
 1075
 1080
 1085
 1090
 1095
 1100
 1105
 1110
 1115
 1120
 1125
 1130
 1135
 1140
 1145
 1150
 1155
 1160
 1165
 1170
 1175
 1180
 1185
 1190
 1195
 1200
 1205
 1210
 1215
 1220
 1225
 1230
 1235
 1240
 1245
 1250
 1255
 1260
 1265
 1270
 1275
 1280
 1285
 1290
 1295
 1300
 1305
 1310
 1315
 1320
 1325
 1330
 1335
 1340
 1345
 1350
 1355
 1360
 1365
 1370
 1375
 1380
 1385
 1390
 1395
 1400
 1405
 1410
 1415
 1420
 1425
 1430
 1435
 1440
 1445
 1450
 1455
 1460
 1465
 1470
 1475
 1480
 1485
 1490
 1495
 1500
 1505
 1510
 1515
 1520
 1525
 1530
 1535
 1540
 1545
 1550
 1555
 1560
 1565
 1570
 1575
 1580
 1585
 1590
 1595
 1600
 1605
 1610
 1615
 1620
 1625
 1630
 1635
 1640
 1645
 1650
 1655
 1660
 1665
 1670
 1675
 1680
 1685
 1690
 1695
 1700
 1705
 1710
 1715
 1720
 1725
 1730
 1735
 1740
 1745
 1750
 1755
 1760
 1765
 1770
 1775
 1780
 1785
 1790
 1795
 1800
 1805
 1810
 1815
 1820
 1825
 1830
 1835
 1840
 1845
 1850
 1855
 1860
 1865
 1870
 1875
 1880
 1885
 1890
 1895
 1900
 1905
 1910
 1915
 1920
 1925
 1930
 1935
 1940
 1945
 1950
 1955
 1960
 1965
 1970
 1975
 1980
 1985
 1990
 1995
 2000
 2005
 2010
 2015
 2020
 2025
 2030
 2035
 2040
 2045
 2050
 2055
 2060
 2065
 2070
 2075
 2080
 2085
 2090
 2095
 2100
 2105
 2110
 2115
 2120
 2125
 2130
 2135
 2140
 2145
 2150
 2155
 2160
 2165
 2170
 2175
 2180
 2185
 2190
 2195
 2200
 2205
 2210
 2215
 2220
 2225
 2230
 2235
 2240
 2245
 2250
 2255
 2260
 2265
 2270
 2275
 2280
 2285
 2290
 2295
 2300
 2305
 2310
 2315
 2320
 2325
 2330
 2335
 2340
 2345
 2350
 2355
 2360
 2365
 2370
 2375
 2380
 2385
 2390
 2395
 2400
 2405
 2410
 2415
 2420
 2425
 2430
 2435
 2440
 2445
 2450
 2455
 2460
 2465
 2470
 2475
 2480
 2485
 2490
 2495
 2500
 2505
 2510
 2515
 2520
 2525
 2530
 2535
 2540
 2545
 2550
 2555
 2560
 2565
 2570
 2575
 2580
 2585
 2590
 2595
 2600
 2605
 2610
 2615
 2620
 2625
 2630
 2635
 2640
 2645
 2650
 2655
 2660
 2665
 2670
 2675
 2680
 2685
 2690
 2695
 2700
 2705
 2710
 2715
 2720
 2725
 2730
 2735
 2740
 2745
 2750
 2755
 2760
 2765
 2770
 2775
 2780
 2785
 2790
 2795
 2800
 2805
 2810
 2815
 2820
 2825
 2830
 2835
 2840
 2845
 2850
 2855
 2860
 2865
 2870
 2875
 2880
 2885
 2890
 2895
 2900
 2905
 2910
 2915
 2920
 2925
 2930
 2935
 2940
 2945
 2950
 2955
 2960
 2965
 2970
 2975
 2980
 2985
 2990
 2995
 3000
 3005
 3010
 3015
 3020
 3025
 3030
 3035
 3040
 3045
 3050
 3055
 3060
 3065
 3070
 3075
 3080
 3085
 3090
 3095
 3100
 3105
 3110
 3115
 3120
 3125
 3130
 3135
 3140
 3145
 3150
 3155
 3160
 3165
 3170
 3175
 3180
 3185
 3190
 3195
 3200
 3205
 3210
 3215
 3220
 3225
 3230
 3235
 3240
 3245
 3250
 3255
 3260
 3265
 3270
 3275
 3280
 3285
 3290
 3295
 3300
 3305
 3310
 3315
 3320
 3325
 3330
 3335
 3340
 3345
 3350
 3355
 3360
 3365
 3370
 3375
 3380
 3385
 3390
 3395
 3400
 3405
 3410
 3415
 3420
 3425
 3430
 3435
 3440
 3445
 3450
 3455
 3460
 3465
 3470
 3475
 3480
 3485
 3490
 3495
 3500
 3505
 3510
 3515
 3520
 3525
 3530
 3535
 3540
 3545
 3550
 3555
 3560
 3565
 3570
 3575
 3580
 3585
 3590
 3595
 3600
 3605
 3610
 3615
 3620
 3625
 3630
 3635
 3640
 3645
 3650
 3655
 3660
 3665
 3670
 3675
 3680
 3685
 3690
 3695
 3700
 3705
 3710
 3715
 3720
 3725
 3730
 3735
 3740
 3745
 3750
 3755
 3760
 3765
 3770
 3775
 3780
 3785
 3790
 3795
 3800
 3805
 3810
 3815
 3820
 3825
 3830
 3835
 3840
 3845
 3850
 3855
 3860
 3865
 3870
 3875
 3880
 3885
 3890
 3895
 3900
 3905
 3910
 3915
 3920
 3925
 3930
 3935
 3940
 3945
 3950
 3955
 3960
 3965
 3970
 3975
 3980
 3985
 3990
 3995
 4000
 4005
 4010
 4015
 4020
 4025
 4030
 4035
 4040
 4045
 4050
 4055
 4060
 4065
 4070
 4075
 4080
 4085
 4090
 4095
 4100
 4105
 4110
 4115
 4120
 4125
 4130
 4135
 4140
 4145
 4150
 4155
 4160
 4165
 4170
 4175
 4180
 4185
 4190
 4195
 4200
 4205
 4210
 4215
 4220
 4225
 4230
 4235
 4240
 4245
 4250
 4255
 4260
 4265
 4270
 4275
 4280
 4285
 4290
 4295
 4300
 4305
 4310
 4315
 4320
 4325
 4330
 4335
 4340
 4345
 4350
 4355
 4360
 4365
 4370
 4375
 4380
 4385
 4390
 4395
 4400
 4405
 4410
 4415
 4420
 4425
 4430
 4435
 4440
 4445
 4450
 4455
 4460
 4465
 4470
 4475
 4480
 4485
 4490
 4495
 4500
 4505
 4510
 4515
 4520
 4525
 4530
 4535
 4540
 4545
 4550
 4555
 4560
 4565
 4570
 4575
 4580
 4585
 4590
 4595
 4600
 4605
 4610
 4615
 4620
 4625
 4630
 4635
 4640
 4645
 4650
 4655
 4660
 4665
 4670
 4675
 4680
 4685
 4690
 4695
 4700
 4705
 4710
 4715
 4720
 4725
 4730
 4735
 4740
 4745
 4750
 4755
 4760
 4765
 4770
 4775
 4780
 4785
 4790
 4795
 4800
 4805
 4810
 4815
 4820
 4825
 4830
 4835
 4840
 4845
 4850
 4855
 4860
 4865
 4870
 4875
 4880
 4885
 4890
 4895
 4900
 4905
 4910
 4915
 4920
 4925
 4930
 4935
 4940
 4945
 4950
 4955
 4960
 4965
 4970
 4975
 4980
 4985
 4990
 4995
 5000
 5005
 5010
 5015
 5020
 5025
 5030
 5035
 5040
 5045
 5050
 5055
 5060
 5065
 5070
 5075
 5080
 5085
 5090
 5095
 5100
 5105
 5110
 5115
 5120
 5125
 5130
 5135
 5140
 5145
 5150
 5155
 5160
 5165
 5170
 5175
 5180
 5185
 5190
 5195
 5200
 5205
 5210
 5215
 5220
 5225
 5230
 5235
 5240
 5245
 5250
 5255
 5260
 5265
 5270
 5275
 5280
 5285
 5290
 5295
 5300
 5305
 5310
 5315
 5320
 5325
 5330
 5335
 5340
 5345
 5350
 5355
 5360
 5365
 5370
 5375
 5380
 5385
 5390
 5395
 5400
 5405
 5410
 5415
 5420
 5425
 5430
 5435
 5440
 5445
 5450
 5455
 5460
 5465
 5470
 5475
 5480
 5485
 5490
 5495
 5500
 5505
 5510
 5515
 5520
 5525
 5530
 5535
 5540
 5545
 5550
 5555
 5560
 5565
 5570
 5575
 5580
 5585
 5590
 5595
 5600
 5605
 5610
 5615
 5620
 5625
 5630
 5635
 5640
 5645
 5650
 5655
 5660
 5665
 5670
 5675
 5680
 5685
 5690
 5695
 5700
 5705
 5710
 5715
 5720
 5725
 5730
 5735
 5740
 5745
 5750
 5755
 5760
 5765
 5770
 5775
 5780
 5785
 5790
 5795
 5800
 5805
 5810
 5815
 5820
 5825
 5830
 5835
 5840
 5845
 5850
 5855
 5860
 5865
 5870
 5875
 5880
 5885
 5890
 5895
 5900
 5905
 5910
 5915
 5920
 5925
 5930
 5935
 5940
 5945
 5950
 5955
 5960
 5965
 5970
 5975
 5980
 5985
 5990
 5995
 6000
 6005
 6010
 6015
 6020
 6025
 6030
 6035
 6040
 6045
 6050
 6055
 6060
 6065
 6070
 6075
 6080
 6085
 6090
 6095
 6100
 6105
 6110
 6115
 6120
 6125
 6130
 6135
 6140
 6145
 6150
 6155
 6160
 6165
 6170
 6175
 6180
 6185
 6190
 6195
 6200
 6205
 6210
 6215
 6220
 6225
 6230
 6235
 6240
 6245
 6250
 6255
 6260
 6265
 6270
 6275
 6280
 6285
 6290
 6295
 6300
 6305
 6310
 6315
 6320
 6325
 6330
 6335
 6340
 6345
 6350
 6355
 6360
 6365
 6370
 6375
 6380
 6385
 6390
 6395
 6400
 6405
 6410
 6415
 6420
 6425
 6430
 6435
 6440
 6445
 6450
 6455
 6460
 6465
 6470
 6475
 6480
 6485
 6490
 6495
 6500
 6505
 6510
 6515
 6520
 6525
 6530
 6535
 6540
 6545
 6550
 6555
 6560
 6565
 6570
 6575
 6580
 6585
 6590
 6595
 6600
 6605
 6610
 6615
 6620
 6625
 6630
 6635
 6640
 6645
 6650
 6655
 6660
 6665
 6670
 6675
 6680
 6685
 6690
 6695
 6700
 6705
 6710
 6715
 6720
 6725
 6730
 6735
 6740
 6745
 6750
 6755
 6760
 6765
 6770
 6775
 6780
 6785
 6790
 6795
 6800
 6805
 6810
 6815
 6820
 6825
 6830
 6835
 6840
 6845
 6850
 6855
 6860
 6865
 6870
 6875
 6880
 6885
 6890
 6895
 6900
 6905
 6910
 6915
 6920
 6925
 6930
 6935
 6940
 6945
 6950
 6955
 6960
 6965
 6970
 6975

विहरीगिता॥०॥थवेवसबादाहयाडाकसकाभविदीर्घकलक्षयान्
 थगनपुसनसिलक्षायामदिगीसइहाविधान॥१६॥नदासर्वोनथी
 ननादीर्घकजगतातयिभुयुदानंविनीमत्यादयानिस्त॥०॥थवल २२
 ससर्वानुवाजानदीर्घकलक्षगनयान् यिभुयागुदानविषयागस
 ननविगनायाग॥११॥अनाथ४इत्वाकुरुनायाजिलेसम्यक्पुदानं

विधधामिगजावजानयानसुयनासनीससूवधुवलादीमनिभ्रवानी
 ॥०॥थममकाकानगाथविकतायागधनसाअनाथयाधमथइडा
 अनेगताताइ४खथिंठइखमायनायायअर्थनसैन्यकगथमगया
 गदानविषयागवमुयानविवत्वागसूवनयात्रसनिगावमु
 कजेदिनभुमिसदक्षाधनथनिंछायागी॥११॥अनाथविद्याम

१५
 निगारुभीरीसकप्रतिचिह्नयाचइकीसभायकाजायदितायला
 कलाकायकाजायचकाजमार्ग॥०॥धनवीबाकानच्छक्रयादिना
 सथडासननचिह्ननायाकागुभीथडाकजातधमाडागियाछडा॥न॥ २३
 १०
 आदकीवी॥हधमाडागिजिनचिह्ननायाकासमस्तसत्त्वयातिपुका
 लाकसकुलदेहिगडयेकालयायनिमित्तिनकिनचिह्ननायाका

७
 धकी॥१॥वागडावाच॥यूनवालजाकानआम्बदयकवी॥१०॥अति
 निरीसारमनिहूकाखीअनित्यमोहदयसुखगुदाजान॥अनित्यजाकी
 विविधयुशीअसमाजकसच्चमनित्यमेव॥०॥हजानिश्चरीसारस
 अनिनिहडागथधनसाकख२॥पुनिदमसाकायमूजाआदिनेस
 मस्तअनिनिहडाहचधवाकीनानाशागयाकाडावाकाधंअनिनि

धर्क ॥ १॥ तस्मात्सा सावधुं क मलमूलानं कन ॥ ० ॥ १॥ धर्क वीयन्य सु सान
यादा डीयुम्भ वायु ज्थन रुभा धर्क वाकान थडा क वा हा द डान धर्क
॥ ६० ॥ ॥ महिषि ड वा व ॥ नाथ स थ भ वी स द न भा द नै क ला ॥ ० ॥ ॥ २४
नि वा का या लं छ दा डा वा नि न रा का या द डान ॥ ना य या नी क म ला वा
का छे ल था स स न आ ग म द य का गु जी स भ त्व डा ख ॥ ११ ॥ वा का मं गि

मधु वी ॥ ० ॥ ॥ वा कान मं गि या क भा वी ॥ ५२ ॥ मं गि भ वी स नि म म द द य
स मू य का य नी ॥ ० ॥ ॥ ह मं गि कि म न स ध म य न्य या य ॥ ५३ ॥ आ इ या ध र्क
आ ग म द य क र्क ॥ ५३ ॥ मं गि वा व ॥ मं गि न स हा वा का या क ॥ ना य या नी
॥ ५४ ॥ क थं वा का ॥ ० ॥ ॥ ह म हा वा का आ ग म द य क स वि का रु ने ॥
५५ ॥ वा का वा व गृ थ ॥ ० ॥ ॥ वा कान मं गि या त आ ग म द य क र्क ॥ ५५ ॥

कामयुगायं धनधनमग्निराई सर्वमतर्थमति चंचलं रुद्रुवध ॥ सो
 जामतिवदगगा कन मागुह ई दहोद बंदा मिह गगाय सयिगु वार्
 ॥०॥ ह मरु कायश्च सविद न डय शाग यादा अ (मग धन धन न नी वा २५
 अ न अविद्युतया क रु नी चंचल ग म न ड ड सो कामति धाया लंख धा
 धा थं वरुद्य गा क धाया वरु म वरु क थं कन मागुह ई धाया मिखा

फराणिन्दरत्न वज्राचार्य

३८

सर्वानन्द (बारवं) अप्रसा

धिनि या दार्थं थथिं ग्व दययू धकं रुचं सुगम मथमगमयाग यिगु याग
 दाहायू श्या रु था धर्कं सर्वानन्द ज्ञान मरु काय क धा ले ॥ ५० ॥ अविद्या कि
 ज्ञान नाय सुगल सा सन दो न हिं ना किं जि विद्य मल मण्य वरु किं न न र स्मा
 चकाय म न सा व व म विगु द्व म अ क द दानि सु ग नाय स यिगु यागी ॥ ० ॥
 पून वा न न ज्ञान ज्ञान दय क री ह मरु किं ज्ञान नाय ज्ञान का या च द या सु

फराणिन्दरत्न वज्राचार्य

गगनगथागगनयागदानहिनमयासंनस्माचकायधकायसुवीवीनीमनसा
मननेवत्रसावचननेमहागुदे एकविगतसुम्यददामि संम्यकाजूनगदा
नदयकाडागुगगगथागगनयागयिलुयागुदहाय्यरु छाहवाधेकी २६
५६ वायूनधरुली सोदयोह्येगुमविसालकबाहुवार्धे धर्मोथकाभय
रुवागमसंयदार्थे संयुद्धवाधियदमवयिनवदेहभा रुगछाददा

सिंहगगायसविष्णुयार्थे ॥ ॥ अधयिलुयागुदहायायूननयूनवालु सिगुवी
कूलसवात्मदेयुधर्मजुथेकाभमाह थनागुवीगारु ॥ ॥ हर्चसमसुवधया
यदवायु ॥ ५७ ॥ आमकुयामिहगगसंयसवाधिसत्वदीयेकवादिजिन
वनायुद्धधर्मनार्थे संज्ञान सावमविली विविक्षायहर्चसंयुद्धयासहसा
यत्रिगुदेदानी ॥ ॥ ॥ ॥ हर्चवाजानमकि याकधर्चरुमकि छाडावाधिसत्व

15
 0
 दियंकल जादिन जाय संघ वंघ वघ शिरु शिरु नि ध्वपनि सुक उं नि
 मरुयाय याग विविध प्रमान दय कांडा सक व सं नं रुज नाया दाडा दा
 न गुभी व रुक द ला ध ध की ॥ १० ॥ नुर्वम निग नै यु का सयि ला ॥ ० ॥ २१
 वी व रुयादिन स य जा ला क सुक लं रु दं थ था दा डा मून क माल ध की ॥
 जा स वी न द न म रुि या क धाली ॥ ११ ॥ म रुि ड वा च ॥ ० ॥ म रुि न जा जा य

७
 कं ता य या गी रु म हा वा ज स ख डा ख ॥ १२ ॥ न द न न ग यो घ ण धा ख ना दी का व
 य कि शा शा स व ड न न रु ध रु म हा वा डा स वी न द स जा ला यि री ॥ ० ॥ ध नि म
 हा वा ज या ख सि व स ग या डा म रुि न द स वा र्क द का दी ल था दा डा यु का स या
 नु शा शा स व रु न य जा ला क स वी न द म हा वा या जा ला ध की ॥ १३ ॥ जा या द
 गु ला रु रु मा सि री रु न जा व द धि नी दू रु मा सि य यो क गा व रु रु ग व ग दि य

15
धियायनिष्ठाया सहस्रं जलित्वा राजानि मकना कारयामास ॥ १० ॥ अथ नवि
राजा ज्ञादिसुक्रवर्मेन श्रीदीर्घकलनं गगनयाकृतिप्रदं किं नृणां जडाया
स्वमित्तिथिविस्मृयाडो खडायाद्विधकायाडो गदायविनिर्दिष्टविद्विड २७
मिलनकाडा नायज्जगत्स्थानकाडा खपाकलनकाडा ॥ १० ॥ अथ नविदीर्घ
कयावृद्धाधर्मगार्जनमाश्रुत ॥ ११ ॥ हृदि यैकवत्तथागगच्छलथावृद्धियनिम

ननिमकुतायादच्छलथावधर्मया राजा रुडाथथिगच्छलथावया गीतमस्कारि ॥ १२ ॥
जामकुतायहं नाथं सन्ध्याविजयाय व ॥ १३ ॥ हृदि च लथाल नाथयां जनाथ
रुडा सन्ध्याकथकालनच्छलथावस्करुताययादा ॥ १४ ॥ वृद्धायाद्विद्वसत्त्वोनी स
मुत्पादाय सर्वग ॥ १५ ॥ मम गजकनावासे दीपावल्याविष्मनक ॥ १६ ॥ हृदि च दी
र्घकलनथागगसमस्तसमाडयकालयायनिमित्तिन हृदि च धर्मनयनिया

15
 10
 वयायतिमिति न दियावमीधायानगलसुवि कायमावधकी सुवोनदमाजान
 यिनाययामीय ॥ दूजायुहावसपिठुयाणं यावययच्छकिरमावदसिन्दुप्रव
 माल्यकुसुमसि सांखन ॥ ० ॥ हृदियेकुलतथागत छलयावदि कुबीवार्कसर्वकाय ३०
 हलदूजायायजावगच्छलयावविभीष मावकुडालखी यिठुयाणदानविचरु
 यामा ॥ १ ॥ ससीयावाधिसखादीवत्यागसययत्यदान्गमसर्वीममावास्यजावार्थ

७
 गलेऽसहवर्जयित्वांयविरुंकुसुमानिर्खंकुसुबाज्जुमादयत्कमाकाया
 मागसुधंमथगगच्छयाकलियद्विप ॥ ० ॥ हृदयेच्छलयावयनिधडाथडाग
 ननविचकाडाजावार्थज्जुयसंखवाधिसखदीयंकवगथागगथकिज्जुदि
 नचकुदिगनीविक्कायमावधकी हृदयेच्छलयावजगनसंसारयागुदुहडा
 हृदयेच्छलयालज्जुमादयाकुलपयादिनकुद्विक्कायमावधकी नायज

15
10
कवखाननहाली॥०॥ रागवौनाह॥०॥ रागोदियकवनजुग्यसदयकली॥
०॥ साधु२ महाबाजं महायुग्यगार्कम॥ सुवभायिनी विज्ञाक सुदुप
बाजाकिशोधिय॥०॥ रुमहाबाजसुलधाम सावायधन्य२ महामडाध ३१
ददुग्यडाकशडा। सुनदुवैजंमसुगडादुग्ययाहलनसुवाडाहयाडा
डीमकाबाधकी॥०॥ अथसमाजासाथगमयार्क गिलसा निधाय सुनज

5
0
सुदुयुनानीकत्वाधेगार्कसुवैयनिवर्हयनि॥०॥ अथनविबाजानदीयकलनथा
गमया सुग्यसिखसधयथाडा सुग्यगयमानदीदीवातयाडाथडागार्कदी
यावनिधायानगवदंससुपुलालाकसुकरदविहाडात्रि॥०॥ रुदनूबाजाय
सुवाजुने४ सुग्यदिगकि यिषुपागुगानी सुकालनायमुविगार्कसदकनय
विपसंसाजयासास॥०॥ अथनविबाजामकि यजागकथडागकथनका

डाँके गजाय मयूरवज्रनयनिमन दानसागरिन मुद्रियुविमयादाडा
 मुगधनसाकाडा विमुपाग सावा दयकरी ॥ ० ॥ यथाविधि विविक्तुदिया
 लीकावयथानकमे ४ पलित्वया मासुर मम ४ सर्वान्दा इथ सवाजाय ॥ ० ॥ ३२
 रुचैध्रविमुपाग ममासु विन विविमयादी नाना कुलीकाववस्तुकनिनहिन
 वलुकन द्वाय याडा नया ध्वक्क सच्चानदवाजान रुवा ॥ ० ॥ यून सममाक

समकरुदस्ययविक्रमाय रथासूत्रथावत्तवयुधडा यवंधनी विगानविनी ॥ सुसा
 यरुमिसूगन्धध्रियी यकिऊ मयथ रुवा कगत्व सुकालनेष्टु चट्टुदीयवि
 वंध्या मासु विगानवामव ॥ ० ॥ यूनवान सुकान दीयकवमथागत यनियविक्रम
 नविक्काकयाग रथदयकर ध्ववथ सुध्वयिमा मथाक्कव तादाडा सुगन्धया
 रुमियादाडा सुगन्धध्रयथदाडा रुचै रुव रुव मासु रजादीन य ४ यादाडा

वडिन कुमदाधान ॥०॥ राथन विचार लक्षित सुवर्ण आकृष्ट सलीख इइग
 याडा रीख धवा थयोडा दिदी करन थागत इ न विष्ठा करी थवत्र सदि पाव
 नित गव सथाद सत्तया निया कम याय सुक भेद दूरी ॥०॥ रापूर्व नूदि लि ३५
 समायाका न गय क मय सधवा शमदि ॥०॥ ननाद हा हा सुम (म) हवा यं य
 याद दूष्यं विचय म ४ सम का गु ॥०॥ राथन विद स सथाद लोक यनि सन नाना

अने गवा यथा क थव वा यया यदन यिषि कं यमान इव थन न जाका म गथाद यवला
 कन खान वा गक ले थन खान वा गक खदडा यम लोक या ज्ञान दूरी ॥०॥ गगुष
 सवा जाय विद रुसा क यिषु या गु यद दोडि नाया यन सारु था गि व सा यदनी बायू
 गस धन यून व का ॥०॥ धर्म गवा न दु गा जायां मत सय विद रु हयाडा गीदिय
 कल कथा ग गया न यिषु या गु सम रुं दा क्षय व थन धून काडा गीदिय करन थाग

नयायाइकानमस्कावयार्म॥०॥कमाययित्वायनिदमयित्वावृथानमदयविन
 मयित्वागिबतवृथसुबमशकावदीर्यकवादिकाव॥०॥धर्मधनकाडापु
 नवावराज्ञानश्रीदियंकलनथमनयाककुमायानहुदियंकलनथमनजा ३६
 डावृषदमईशुयासुवनडानंदभासाडाहृददियंकलनथमनयाकार्यइ
 वा॥०॥अथदियंकवद्वृषसंसाययथाविधिनुशागृहिल्यायिउयागादिश्रमा

मर्मयवेषयन्॥०॥धर्मराजायावदकाडाश्रीदियंकलनथमनयिउयान
 आदिनधवयाडाधर्मयावजाआदयकवी॥०॥मृगुवाजलकासत्वदानस्यरु
 वमययसुवायकावकीदानसुवाथकामदी॥०॥मृगुमहावाजसावधनया
 काडाकासमरुदानदयारुलकाधकीदियंकवनजाआविबी॥०॥
 रुमीदकवगुक्मोवविचिगयउ॥सकालयसुगमसंयुयविकमायवर्थ

15
नाथनविद्वत्सुखं महानिधनं नतावनीयनिवचरुत्कमस्य ॥ १ ॥ यज
नामनूयादायवक्रुर्ग्रीसनयनसुगमकथागमविद्याकयागवावकुमा
वनरुदाकानथादाडाविजुविचिजुयादाडाध्वनवसागयाडीयवक्रस्य ३०
नविद्याकिडाथनविद्याकायायूननशाग्वानिहयुडाथुगुबीधान
काजडासविधानयुवकायकाडाधानदयू ॥ २ ॥ नधिरवदक्रोदकघाघम

७
वयगुणिगलंसुखसुगन्धनकथाकलानियादोसुगमस्ययद्वयागुनी४कथय
त्वमयत्यमीनव ॥ ३ ॥ रुचनथागमयनिविद्याकयागजुयवागमयाडासु
खयवृत्त्यगुमिगवसिगवर्खसुगन्धनसाकाडाविवायकीडाविवायका
यायूनतध्वनकयवइयाडाजलकायू ॥ ४ ॥ रुचिनिवासापिरुहमि
मगुलेयविकमार्थयकथानिविवायगमथागमस्यायगनालमस्ययाथा

गमयमहिष्ठुङ्गवर्ग ॥ १ ॥ अथ कथितं वासुधा गायनरुमिसुखा कथायाडा
 गथगगनयनिविष्ठाकीडा अथ नयापूज्यनरुमिसुखं वनरुयाडा जग
 सकाय ॥ १ ॥ विविक्तिगं यनसुखसुखाजका मुनिदुसुखायोगभाह ३७
 मार्गकगगवत्यसौ कांनियवृद्धताविनी पुवृद्धवृद्धत्वयदं यनुग ॥ १ ॥
 अथ नयापूज्यनरुमिसुखं वनरुयाडा जग

वृद्धपदनाय ॥ वृद्धयाकलमजसकाय ॥ १ ॥ श्रीखंलु कुंकुमसुसारिगवद
 गानिकुवृद्धनसगिबका निसवृद्ध ४ संध्यययापूवकिजगता विवकाय
 मरुसौदययुयसुथदिशविमार्गवर्ग ॥ १ ॥ अथ नयापूज्यनरुमिसुखं वनरुयाडा जग
 चितनसुखसुखनगिबकिडा अथ नयापूज्यनरुमिसुखं वनरुयाडा जग
 सावनी हनकोडाधानदयवृद्धवृद्धत्वयदं यनुग ॥ १ ॥

याडाकनकाय ॥ १० ॥ काभीलुहीवममनाहि ४ सुगन्धदयंयसोगनस्य
वयूसियुमिबयकि ४ संकुद्वसविद्वजंयसुगन्धयहंनयांरुवंनि ४ य
वमशाग्यमहानिधनी ॥ ११ ॥ ककुवि सिलनसाध्वननसमशागद्धाद ३९
डातथागनपनिस्तुविबसुत्रयनायायडाध्वनलेयनायादायारुलन
सुगन्धनसाकाडाइयदयूरुर्वीमुद्ववसुइयाडाधानदयूमहाशग्य

वानिकइयू ॥ १२ ॥ यल्लयविनीरुकुमावयासंमंयादयंमिहगणनमस्य ४
रुयासुकायसमकायकुरुथायपापुवकिइयदंविमाली ॥ १३ ॥ रुर्वीयाल
कुमावनरुदाकानयडामदयकाडागुथागनपनिगदाहापिडाध्वन
यायूरुयारुलनसदीनडाधदवाकथयाडाडुलमकायूरुर्वीधयानका
लडीनेववसुल्लुडयदवायूव ॥ १४ ॥ गगवाडिनीविविधिध्वस्यसुगन्ध

15
दयेन्ययमुचिमाकपुसककार्कदियांगनाददयगनाददयकात्रिवि
कासवर्कं। तां वूलयूगगुलसयदानासलर्यन विविधराग्यमहातिष्ठा
नी॥०॥ ग्यम्भस्यनैसगनैधैगतयातताम्वून ग्वरग्यात्ररुथसधनपि ८॥
निनदहायिडाधतिदहायायायधनआकाससरुसकायूडाहर्षस
विसागरुयूदियामन्दनमजिडस्वर्गवयमानायुधधियमसजिडरु

७
यूरुचैरागवलरुयाडा निधनभायाविमनसधन्ययनकायाडायानि
॥०॥ यथानवरुगडवा दकिभयपुयैकतिधमोथकामभाकीवजापु
वकिरुकिमानस॥०॥ धयासुगततथागगयातदकिभदहायिधने
दहायायायधनधर्मजुर्थकामभाकपुदवायूडा॥०॥ पुर्वमनदी
भाननधनयित्वानवाधियैयधतथागतायाहेकादीपैकर्ममनिव्य

१॥०॥ कया कृयादिनस्त्रिविधसकगाढाहावृयायायूधनद
 सयागाडाहयूहर्नयथश्चनानिनतथश्चनार्थदीयकनया०००
 नरुयाडाहत्मकायू॥०॥ पूनवादयूद्धाह॥०॥ पूनवावयूद्धरुगवा ४८
 नजाग्यादयकल॥०॥ गुल्फकनश्चम्यायां मूखायां मूदयवरुचि
 गुपागादिर्नस्त्रावोयीयकयय॥०॥ गुल्फेरुया अस्त्रिधकृद्स

थहायां पिलुयातवियया ॥ स्त्रानया००॥०॥ कनभाडानपूर्वोद्दि कृ
 यरुगुथादनिगतयपिलुयदानवस्त्रानदाननुकावथनानरु कृ
 यादभं दुरु मासिकालिक गुल्फयश्चदनिमाथरु निया माधवामि
 न॥०॥ हसयाननुगाडा कस्त्रयकयागुथादसिधकृद्वा निह्वागावि
 गुयातदानयायूहर्नकोरिकयादुरु मासि सिवायायेवमिधनस्त्र

मनुजो यथापन्नः स्वर्गो यथा विप्रश्चरन् वा नृसमीतः स तस्य सा स उच्यते
दिकः स मरुत्तुः कायः शरीरं नीलः सान्निध्यं यान्ति नृपे मरुत्तुः स य
दाता स न स्य ॥ ० ॥ रुचिं यदुत्तमानां मनुष्याणां यदुत्तमानां स तथैव गन्तव्यं नीलः
वस्त्राणां ज्ञातनं यथा पूर्वकुलद्वेषे धर्मद्वेषाया यथा नृपुत्रो
याकाडाया अदयू रुचिं तडाधदमनुष्यं रुयाडा स्वर्गं माकृषदप्रानि

रुयू रुचिं तडाधदकुलमरुत्तुकायू रुचिं शरीरं नीलं सान्निध्यं यदा रु
चिं नृपुत्रो गुतडाक रुयू रुचिं धर्मद्वेषाया रुयू रुचिं ॥ ० ॥ मरुत्तुः स ग
ल्यायननं ज्ञातनं उच्यते रुचिं दगमनाः पुदाता स द्विः स गरी विधिना
यथा सस्ति तथा दयू मरुत्तुः स्वर्गं नृपुत्रो वनं यानं यथा यी ॥ ० ॥
रुचिं नृपुत्रो स्यनकायया लनका मज्जितनका मवकु क इत्थं स

15
 0
 ॥ ० ॥ अतिगुह्यं अहंदादागुह्यं कटकैव न केश
 कयून गार्ड कविध्वं यथा शास्त्रं नित्यं मत्या ॥ १ ॥ सगनस्य विष्णुयुदाय वि
 गावि विरुष नानि ॥ ० ॥ धर्मं तथ गमयात् नानाति सादय कडा दान ॥ १ ॥
 कुबीव तु कवियुधा धर्मविराट् लन सदां कतिमान् नित्यादा वा न द
 यू ॥ ० ॥ राजा जन अहंदा नानि विषका मतिं गत्य ददन् न चायि न मुन

७
 ०
 ॥ ० ॥ अतिगुह्यं अहंदादागुह्यं कटकैव न केश
 कयून गार्ड कविध्वं यथा शास्त्रं नित्यं मत्या ॥ १ ॥ सगनस्य विष्णुयुदाय वि
 गावि विरुष नानि ॥ ० ॥ धर्मं तथ गमयात् नानाति सादय कडा दान ॥ १ ॥
 कुबीव तु कवियुधा धर्मविराट् लन सदां कतिमान् नित्यादा वा न द
 यू ॥ ० ॥ राजा जन अहंदा नानि विषका मतिं गत्य ददन् न चायि न मुन

सरुलीजीविनीयमं अथवृद्धकूलजाभा वृद्धयुगोस्मिंसावगी०॥॥ धर्म
 खडकाडासर्वानदनाजानधार्मी अथमसरुनीकली कमकायायां स
 रुलीजीविनीयमं आदाया सारुभरुभा अथवृद्धकूलजाभा अडादि १५
 यानियुधकूलसजागहभा वृद्धयुगोस्मिंसावगी०॥॥ धर्म निवृद्धयु
 गहभा॥०॥ अथरुगवाकिरु संघाभमदथावगी०॥॥ धर्म निवृद्धयु

गवान् ५ शिरुसंघयाग अगमविनी०॥॥ अथरुगवाकिरु संघाभमदथावगी०॥॥ धर्म निवृद्धयु
 वानुदनामनाका महायन्युभाक मंडल्यादिनी०॥॥ धर्म निवृद्धयु
 येसंघयाग धर्म सर्वानदनाका महागडाधरुयुगोस्मिंसावगी०॥॥ धर्म निवृद्धयु
 ॥०॥ गदद्याविधुवरुगमनूयलाक गनूयकोसर्वपरीता०॥॥ धर्म निवृद्धयु
 या अद्याविदनिमनूयलाक सदानयुन्यायाह्रधकी०॥॥ गगवानाह

॥०॥ रागवान् आम्भदयकर्व ॥०॥ एवैरिह स महिषि जाडा समाख्यस्य
 नूजसहिलिषे वृधरुडानि गत्वा ॥०॥ जाडा रिहवृद्ध यादिन स सयोन
 चक्षया जाडा जानिय का ला क स ऊ रं द वृद्ध रुडान स रुत्म का भो धर्क ॥०॥
 ॥०॥ रुषि गरुडानवा सि सख स रा ल म हा र मा का सि म न या नि स रु द
 ययित्वा ण स व विरुव गृ त्व रु ली पा का रा ग्य ध रै रु व नि स ग ना स रु सा

७